आज दिनांक 16.08.2016 को जिलास्तरीय कृषि टास्क फोर्स की बैठक मो0 सोहैल (भा0प्र0से0) जिलाधिकारी, मधेपुरा की अध्यक्षता में आयोजित की गयी। जिसकी कार्यवाहीं निम्न प्रकार है।

उपस्थितिः-पंजी के अनुसार

जिलाधिकारी महोदय द्वारा उपस्थित सभी सदस्यों का स्वागत करते हुए बैठक की कार्यवाहीं प्रारंभ की गई।

कृषि विभाग

बैठक में उपस्थित सभी प्रखंड कृषि पदाधिकारी एवं कृषि समन्वयक से प्रखंडवार आच्छादन, वर्षा एवं बाढ़ की स्थिति तथा कार्यपालक अभियंता, सिंचाई प्रमंडल से नहर में पानी की स्थिति की समीक्षा की गयी।

समीक्षा के क्रम में जिला कृषि पदाधिकारी, मधेपुरा द्वारा बताया गया कि जिले का सामान्य वर्षापात 310.3 एम0एम0 है। अब तक 160.15 एम0एम0 के विरूद्ध 55.42 एम0एम0 बारिश हुई है जो सामान्य से 104.73 एम0एम0 कम है।

सभी प्रखंड कृषि पदाधिकारी द्वारा बताया गया कि कभी-कभी बारिश हो जाने के कारण खेतों में नमी बरकरार है। सुखाड़ जैसी समस्या अभी उत्पन्न नहीं हुई है, आच्छादन 97 प्रतिशत हो गयी है। कुछ खेतों में पटसन लगी हुई है, पटसन कटनी के उपरांत आच्छादन शत-प्रतिशत हो जायेगी।

आलमनगर एवं चौसा प्रखंड में बाढ़ के कारण हुई क्षति की समीक्षा के क्रम में प्रखंड कृषि पदाधिकारी, आलमनगर द्वारा बताया गया कि खेतों में पानी लगे रहने का कारण शत-प्रतिशत सर्वेक्षण का कार्य नहीं हो पाया है। प्रखंड कृषि पदाधिकारी, चौसा द्वारा बताया गया कि तीन पंचायतों के सर्वेक्षण का कार्य पूर्ण कर लिया गया है शेष पंचायतों में सर्वेक्षण का कार्य जारी है। निदेशित किया गया कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में जाँच हेतु टीम का गठन करें, जिसमें दूसरे प्रखंडों के किसान सलाहकार एवं कृषि समन्वयक को भी शामिल किया जाय। किसान सलाहकार द्वारा शत-प्रतिशत जाँच कर जाँच प्रतिवेदन चार दिनों के अंदर कृषि समन्वयक को देना सुनिश्चित करेंगे। कृषि समन्वयक द्वारा 50 प्रतिशत जाँच कर जाँच प्रतिवेदन के ऑड नम्बर (अर्थात 1, 5, 10, 15, 25................) का करते हुये दो दिनों के अंदर प्रखंड कृषि पदाधिकारी को समर्पित करेंगे। प्रखंड कृषि पदाधिकारी के द्वारा कृषि समन्वयक से प्राप्त जाँच प्रतिवेदन का 25 प्रतिशत जाँच उनके ऑड नम्बर (अर्थात 5, 15, 25, 35,................) का जाँच करना सुनिश्चित करेंगे। आलमनगर प्रखंड हेतु परियोजना निदेशक, आत्मा, मधेपुरा एवं चौसा प्रखंड हेतु सहायक निदेशक (उद्यान), मधेपुरा को प्रभारी बनाया गया है, जो क्रमशः प्रखंड कृषि पदाधिकारी से प्राप्त जाँच का एक प्रतिशत जाँच करेंगे। संकलित जाँच सूची में से रैणडमली जाँच जिला कृषि पदाधिकारी, मधेपुरा द्वारा करते हुए जाँच प्रतिवेदन एक सप्ताह में उपलब्ध करायेंगे।

आच्छादित रकवा एवं पूर्ण प्रभावित रकवा का प्रतिवेदन अस्पष्ट है। प्रखंड कृषि पदाधिकारी, चौसा एवं आलमनगर प्रभावित क्षेत्रों का कृषि समन्वयक एवं किसान सलाहकार के माध्यम से जाँच कराकर जाँच प्रतिवेदन अगले कृषि टास्क फोर्स की बैठक में उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। प्रखंड कृषि पदाधिकारी स्वयं प्रभावित क्षेत्रों में पानी की स्थिति का आकलन कर अद्यतन स्थिति की जानकारी जिला कृषि पदाधिकारी, मधेपुरा को उपलब्ध करायेंगे।

नलकूपः-

समीक्षा के क्रम में कार्यपालक अभियंता लघु सिंचाई प्रमंडल, मधेपुरा द्वारा बताया गया कि वर्त्तमान में 42 नलकूप चालू स्थिति में है एवं 3 नलकूप विद्युत एवं अन्य दोष के कारण बंद पड़ा हुआ है। तीनों नलकूपों पर ट्रांसफॉर्मर लगा दिया गया है। बायरिंग का कार्य चल रहा है। निदेशित किया गया कि कार्यपालक